विद्या- भवन, बालिका विद्यापीठ , लखीसराय

नीतू कुमारी, वर्ग-तृतीय, विषय -सह-शैक्षणिक गतिविधि

दिनांक-16-07-2021 एन.सी.ईआर.टी पर आधारित

सुप्रभात बच्चों,

आज की कक्षा में सह-शैक्षणिक गतिविधि के अंतर्गत कहानी पढ़ें और समझे।

लालची सुनार और कीमती मोती

राम के पास बीस (20) बेशकीमती पुश्तैनी मोती थे। एक दिन वह सुनार के पास गया और बोला कि इन मोतियों का बहुत ही सुंदर हार बना दे।

सुनार बहुत ही लालची था। कीमती मोती देखकर उसके मन में लालच आ गया। उसने राम से कहा, “ठीक है, लेकिन पहले मैं इन मोतियों को तुम्हारे सामने गिन तो लूं।”

जब सुनार मोती गिन रहा था, तभी उससे चुपके से एक मोती अपनी गोद में गिरा लिया और राम से बोला, “ये तो सिर्फ 19 ही है।”

राम ने सुनार को गोद में मोती गिराते हुए देख लिया था। लेकिन उसने सुनार से इस बारे में कुछ नहीं कहा। बाद में उसने सुनार से कहा, “लाओ, अब मुझे गिनने दो।”

राम ने मोती गिनना शुरू किया और गिनने के दौरान मौका पाते ही एक मोती अपनी गोद मे गिरा लिया। राम ने सुनार से कहा, “हां, ये तो के वाकई 19 ही है।”

सुनार ने कहा, “ठीक है। मैं इनका हार बना दूंगा। कल आकर ले जाना।” शाम को जब सुनार हार बनाने बैठा तो उसने फिर मोती गिने।

लेकिन मोती 18 निकले। उसने मन में कहा कि जब राम ने मेरी मौजूदगी में गिना था तब तो ये 19 थे।

अब मैं क्या करुँ? इस हार में कोई दूसरा मिलता-जुलता मोती तो लगाया नहीं जा सकता। सुनार के पास अब कोई रास्ता नहीं था।

अगले दिन जब राम उसके पास पहुंचा तो उसने अपने पास छुपाकर रखा मोती और बाकी 18 मोती लौटा दिए।